पाठ - 4
अब्राहम के साथ परमेश्वर की प्रतिज्ञा

I पाठ-संबंधी विचार

1. उत्पत्ति 12:1-4- परमेश्वर ने अब्राहम पर अपनी वाचा प्रकट की।
2. उत्पत्ति 17:1-14- परमेश्वर ने अब्राहम के साथ अपनी वाचा बांधी।
3. उत्पत्ति 22:1-12- परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखा।

II विषय-वस्तु:

परमेश्वर ने अब्राहम को चुना और पृथ्वी की सभी जातियों को उसके द्वारा आशीष देने का फैसला किया। परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने के लिए अब्राहाम के लिए अपने लोगों को छोड़कर एक अलग स्थान उस नयी धरती पर बनाना आवश्यक था जो परमेश्वर ने उसे देनी थी।

अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और विश्वास करने में हमारे लिए उदाहरण बना। अब्राहम और इस्राएल जाति के द्वारा, यीशु इस संसार में आया और उसने सभी जातियों को आशीष देने के उद्देश्य को पूरा किया।

1. अब्राहम के साथ वाचा:

क) अपने देश को छोड़कर एक नये देश में चला जा- उत्पत्ति 12:2; इब्रानियों 11:8-16.

ख) मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा- उत्पत्ति 12:2.

ग) तुझ में पृथ्वी के सारे घराने आशीष पाएंगे- उत्पत्ति 12:3; गलतियों 3:7-9.

2. इस वाचा में नर का खतना होना ज़रूरी था:

क) हर एक नर बच्चे का खतना किया जाना- उत्पत्ति 17:10-14,23-27.

ख) खतना-रहित लोगों को अपने लोगों में से निकाल देना- उत्पत्ति 17:14; निर्गमन 4:24-26.

3. अब्राहम का विश्वास परखा गया:

क) उसके पुत्र इश्माएल के सम्बन्ध में- उत्पत्ति 21:10-14.

ख) इसहाक के बलिदान के सम्बन्धी- उत्पत्ति 22:1-12; इब्रानियों 11:17-19.

4. अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसे आशीष मिली:

क) सारा ने बुढ़ापे में पुत्र को जन्म दिया- उत्पत्ति 15:1-6; 21:1-7.

ख) उसे अपने वंश के लिए कनान देश मिला- उत्पत्ति 13:14-17; 17:8.

ग) परमेश्वर ने अब्राहम के लिए बलिदान का प्रबन्ध किया, जो कि यीशु मसीह के बलिदान की परछाई है- उत्पत्ति 22:8,11-18; रोमियों 5:8ख.

घ) अब्राहम के साथ की गई प्रतिज्ञाएं पूरी की गईं- उत्पत्ति 22:18.

III व्यावहारिक प्रासंगिकताएं :

1. हम यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा अब्राहम की संतान हैं- गलतियों 3:14,26-29.
2. संसार के पापों के लिए परमेश्वर की ओर से यीशु के बलिदान का प्रबन्ध किया गया- यूहन्ना 3:16; रोमियों 5:5-10; यशायाह 53.
3. परमेश्वर की आज्ञा का पालन हम कैसे करते हैं उससे हमारे विश्वास की परख होती है- रोमियों 6:17; 10:16; इब्रानियों 5:9; मरकुस 16:15-16; प्रेरितों 2:41; 8:35-38; 1 पतरस 3:21.
4. हमारा विश्वास परीक्षाओं में भी परखा जाता है- 1 पतरस 1:6-7; याकूब 1:2-4.
5. हमारे हृदय का खतना होता है- कुलुस्सियों 2:9-14.
6. अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिए धार्मिकता गिनी गई- उत्पत्ति 15:6; रोमियों 4:1-8; याकूब 2:14-16.

IV याद करने के लिए आयत :

उत्पत्ति 12:3, ''जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूंगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूंगा; और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएंगे।''

गलतियों 3:29, ''और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।''